Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Inscript 17 February 2019 S2
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2019-02-17 17:42:08
Duration:	25
Share Answer Key With Delivery Engine:	Yes
Actual Answer Key:	Yes
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	Yes
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	201298109
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	201298205
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1

Sub-Section Id: 201298205
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 1 Question Id : 2012981909 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes
एक बार की बात है, अकबर और बीरबल शिकार पर जा रहे थे। अभी कुछ समय हुआ था कि उन्हें एक हिरण दिखा। जल्दबाजी में तीर निकलते हुए अकबर अपने हाथ पर घाव लगा बैठा। अब हालात कुछ ऐसे थे कि अकबर बहुत दर्द में था और गुस्से में भी।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number : 2
Group Id : 201298110
Group Maximum Duration : 15
Group Minimum Duration : 15
Revisit allowed for view? : No
Revisit allowed for edit? : No
Break time: 0
Group Marks: 0

Hindi Typing Test

Section Id : 201298206
Section Number : 1
Section type : Typing Test
Mandatory or Optional: Mandatory
Number of Questions: 1
Number of Questions to be attempted: 1
Section Marks: 0
Display Number Panel: Yes
Group All Questions: No

Sub-Section Number: 1
Sub-Section Id: 201298206
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 2 Question Id : 2012981910 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बन्द कमरे में हवा बार-बार सांस लेने से शरीर का कार्बोनिकऐसिड गैस नामक विष वायु में मिल जाता है और उसी विषैली वायु को बार-बार ग्रहण करने पर वह निरंतर अधिक विषैली होती जाती है, बहुत देर तक उस विषैली गैस में रहने से शरीर की भारी क्षति होती है। खुली हवा में सोने पर यह बातें नहीं हो सकतीं। रात भर जिसने आॅक्सीजनयानी प्राणप्रद-वायु प्राप्त की है, वह प्रातःकाल प्रसन्न-वदन उठेगा और दिन-भर फर्ती का अनुभव करेंगा। छोटे बालक को सांस लेते हुए देखिये, वह पेडू तक सांस लेती हुआ मिलेगा। सांस बाहर निकालते समय उसका पेडूअंदर की ओर जाएगा। इससे जाना जाता है कि श्वांस लेने का प्राकृतिक नियम क्या है। अधिक वस्त्रोंसे लदा रहने, आराम से लेटे रहनेएवं झुककर बैठने से अधूरी सांस लेने की आदत हो जाती है। पूरी सांस लेने पर पेट फैलता और संकुचित होता है जिससे डायफ्रामनामक पेट का वह अंग जो पेट और आंतों को फुफ्फुसों से अलग करता है, नीचे जाता है और फुफ्फुसोंके निचले भाग का दबाल हलका करके उसमें पूरी हवा भर जाने देता है। इस प्रकार फुफ्फुसोंकी पूरी शुद्धी होती रहती है। इसके अतिरिक्त जब डायफ्रामनीचे खिसकता है तो, आमाशय, जिगर एवं आंतों की क्रिया तेज हो जाती है। क्योंकि उन पर इसका एक हलका धक्का सा लगता है। जो लोग अधूरी सांस लेते हैं, वे पूरी सांस लेकर देखें। उनकी पाचन शक्ति पहले की अपेक्षा बहुत तीव्र हो जायगी और फुफ्फुसमजबुत होने लगेंगे क्योंकि पुरी सांस लेने से ही अधिक मात्रा में आॅक्सीजन वायु प्राप्त की जा सकती है। प्राणायाम की श्वास-प्रश्वास क्रियाओं से मनुष्य की स्नायविक शक्ति का विकास होता और पर्याप्त मात्रा में कार्यशील विद्युत प्राप्त होने से स्वास्थ्य की उन्नति होती है। यह निरोग रहने का सर्वोत्तम साधन कहा जा सकता है। खुली हवा में गहरी सांस लेने की आदत डालिये। फुफ्फुसोंमें पूरी हवा भरिये, परन्तु याद रखिये पहले पेट को फुलाना चाहिए। प्रयत्नपूर्वक इसका अभ्यास करने से स्वास्थ्य में आश्चर्यजनक उन्नति हो जाती है। पूरी सांस लेने की आदत डालने के लिए गहरी सांस लेने को मनोरंजन का साधन मानकर अपनाना आवश्यक है तभी इसमें मन लगेगा। अपने मन में यह बात अच्छी तरह जमा लो कि इसे भार रूप समझकर कुछ देर करने से कुछ लाभ न होगा। मन उसी काम में लगता है, जिसे मनोरंजन समझ कर किया जाता है। जब कभी खुली हवा में चलने का अवसर मिले तो खेल की तरह गहरी सांस खींचो और साथ ही गिनते जाओ कि जितने समय में एक सांस ली उतने समय में तुम कितने कदम चल लिए, उतने कदम चलने में सांस बाहर निकालो। फुफ्फुसोंको पूरा भरना और पूरा खाली करना एवं पेडू का उठाना-गिराना यह स्वाभाविक श्वास क्रिया की कसौटी है। इस सरल प्राणायाम से रक्त की सजीवता आश्चर्यजनक रूप से विकास होता है।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes